

एकीकृत भुगतान इंटरफेस 2.0

प्रमुख बढि

- इस संस्करण के तहत ग्राहक अब चालू और बचत खाते के अतिरिक्त अपने ओवरड्राफ्ट खातों को भी UPI से जोड़ पाएंगे।
- साथ ही बाद की तारीख में कथि जाने वाले लेन-देन के लिये वन टाइम आदेश (mandate) सृजन और पूर्व प्राधिकरण तथा भुगतान से पूर्व व्यापारी द्वारा भेजे गए चालान की जाँच जैसी सुविधाएँ शामिल हैं।

एकीकृत भुगतान प्रणाली (UPI) क्या है?

- यह एक ऐसी प्रणाली है जो एक मोबाईल एप्लीकेशन के माध्यम से कई बैंक खातों का संचालन, विभिन्न बैंकों की विशेषताओं को समायोजित, नधियों का निरिबाध आवागमन और एक ही छतरी के अंतर्गत व्यापारियों का भुगतान कर सकता है।
- यह "पीयर टू पीयर" अनुरोध को भी पूरा करता है जसि आवश्यकता और सुविधा के अनुसार निरिधारति कर भुगतान कथि जा सकता है।
- उल्लेखनीय है कि UPI का पहला संस्करण अप्रैल 2016 में लॉन्च कथि गया था।

- गौरतलब है कि NPCI भारत में सभी खुदरा भुगतानों के लिये एक अम्बरेला संगठन है।
- बड़ी संख्या में बैंक, व्यापारी, तीसरे पक्ष के खलाड़ी और उपभोक्ताओं ने इस मंच के प्रतभरोसा जताया है। जसिके परिणामस्वरूप स्थापना के बाद से इसने अपनी लेन-देनों में मूल्य और मात्रा दोनों ही मामले में पर्याप्त वृद्धि की है।
- UPI 2.0 के लॉन्च के साथ ही इसके वसितार से नए रकिॉर्ड स्थापति करने की उम्मीद है वशिष रूप से व्यक्ती से व्यापारी को कथि जाने वाले भुगतान के मामले में।
- इसकी उच्च मात्रा, कम लागत और एक खुले स्रोत पर निर्मति मापनीय मंच होना भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में परिवर्तन की एक कुंजी है।
- वर्तमान में UPI 2.0 बैंक के सदस्यों में शामिल हैं- भारतीय स्टेट बैंक, HDFC बैंक, एक्ससि बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, आरबीएल बैंक, यस बैंक, कोटक महदिरा बैंक, इंडसइंड बैंक, फेडरल बैंक और एचएसबीसी।

UPI 2.0 की वशिषताएँ:

- इस संस्करण के तहत ग्राहक अब चालू और बचत खाते के अतिरिक्त अपने ओवरड्राफ्ट खातों को भी UPI से जोड़ पाएंगे। साथ ही ग्राहक तत्काल लेन-देन करने में सकषम होंगे और ओवरड्राफ्ट खाते से जुड़े सभी लाभ उपयोगकर्त्ताओं को उपलब्ध कराए जाएंगे।
- यूपीआई आदेश का इस्तेमाल परदृश्य में कथि जा सकता है, जहाँ वर्तमान प्रतबिद्धताओं के माध्यम से बाद में पैसे स्थानांतरति कथि जाना है।
- इसमें ग्राहक लेन-देन को पूर्व-अधकृत कर सकते हैं और बाद की तारीख में भुगतान कर सकते हैं।
- इसमें एक सुविधा है जसिसे ग्राहक भुगतान करने से पहले व्यापारी द्वारा भेजे गए चालान की जाँच कर सकते हैं। इसका उद्देश्य ग्राहकों को प्रमाण-पत्र देखने और सत्यापति करने में सहायता करना तथा यह जाँचना है किइसे सही व्यापारी द्वारा भेजा गया है या नहीं।
- कोड स्कैन करते समय व्यापारियों की प्रामाणकता की जाँच करने हेतु ग्राहकों के लिये एक त्वरति प्रतकिरिया (QR) कोड सुविधा पेश की गई है। यह उपयोगकर्त्ता को सूचति करता है कि व्यापारी व्यापारी UPI सत्यापति है या नहीं।
- इसमें लेन-देन तेज़ी से संसाधति होते हैं क्योंकि हस्ताक्षरति इंटेट के मामले में एप पासकोड की आवश्यकता नहीं होती है। यह QR छेड़छाड़ की संभावनाओं को भी अस्वीकार करता है।
- इसके अतिरिक्त प्राप्तकर्त्ता के अधसूचनाओं के माध्यम से सुरक्षति नहीं होने से ग्राहकों को सूचति कथि जाता है।